IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 1, August 2026
Impact Factor: 8.2

प्राथमिक शिक्षा में DIKSHA पोर्टल एवं डिजिटल शिक्षण संसाधनों की भूमिका: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा

पूनम कुमारी
शोधार्थिनी, शिक्षक शिक्षा विभाग
डी. बी. एस. कॉलेज गोविंद नगर, कानपुर नगर
pshahiba@gmail.com

सार

भारत में डिजिटल शिक्षा को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा DIKSHA (Digital Infrastructure for Knowledge Sharing) पोर्टल की शुरुआत की गई। यह मंच शिक्षकोंए विद्यार्थियों तथा अभिभावकों को ई–सामग्रीए ई–पुस्तकेंए वीडियोए प्रश्न बैंकए शिक्षक प्रशिक्षण तथा अन्य शिक्षण संसाधन उपलब्ध कराता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तथा निपुण भारत मिशन के क्रियान्वयन में DIKSHA की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रस्तुत शोधपत्र एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा (Systematic Literature Review) पर आधारित है, जिसका उद्देश्य प्राथमिक शिक्षा में DIKSHA पोर्टल एवं डिजिटल शिक्षण संसाधनों के प्रभावए उपयोगिताए अवसरों तथा चुनौतियों का विश्लेषण करना है।

इस अध्ययन में प्रकाशित शोधपत्रोंए सरकारी रिपोर्टोंए नीति दस्तावेजों तथा अन्य विश्वसनीय स्रोतों का विश्लेषण किया गया है। समीक्षा से स्पष्ट होता है कि DIKSHA ने शिक्षकों की व्यावसायिक दक्षताए डिजिटल शिक्षण कौशल तथा विद्यार्थियों के अधिगम को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। साथ ही इंटरनेट की उपलब्धताए डिजिटल उपकरणों की कमी तथा डिजिटल साक्षरता जैसी चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं। अध्ययन यह निष्कर्ष प्रस्तुत करता है कि यदि डिजिटल अवसंरचना को और सुदृढ़ किया जाए तथा शिक्षकों को नियमित प्रशिक्षण प्रदान किया जाए तो DIKSHA प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

मुख्य शब्द

(Keywords): DIKSHA, डिजिटल शिक्षा, प्राथमिक शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020ए निपुण भारत मिशनए डिजिटल शिक्षण संसाधन

भूमिका

21वीं सदी में शिक्षा का स्वरूप तीव्र गति से डिजिटल माध्यमों की ओर परिवर्तित हुआ है। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) ने शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, सहभागितापूर्ण तथा सुलभ बनाया है। भारत सरकार ने इसी परिवर्तन को गति देने के उद्देश्य से DIKSHA (Digital Infrastructure for Knowledge Sharing) पोर्टल विकसित किया, जो शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा अभिभावकों के लिए एक राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षण मंच के रूप में कार्य करता है।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 1, August 2026
Impact Factor: 8.2

कोविड–19 महामारी के दौरान विद्यालयों के बंद होने पर DIKSHA ने ऑनलाइन शिक्षण को निरंतर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके माध्यम से शिक्षकों को प्रशिक्षण, ई–सामग्री तथा विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री और अभ्यास उपलब्ध कराए गए। वर्तमान में यह मंच राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तथा निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों की प्राप्ति में भी सहायक माना जाता है। हालांकि DIKSHA के उपयोग से अनेक सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं, फिर भी इंटरनेट कनेक्टिविटी, डिजिटल उपकरणों की उपलब्धता, तकनीकी दक्षता तथा ग्रामीण–शहरी असमानता जैसी चुनौतियाँ इसके प्रभाव को प्रभावित करती हैं। इसलिए उपलब्ध शोधों का व्यवस्थित विश्लेषण करना आवश्यक है, जिससे इसकी वास्तविक उपयोगिता, सीमाए तथा भविष्य की संभावनाएँ स्पष्ट हो सके। यही इस समीक्षा अध्ययन का मुख्य उद्देश्य है।

डिजिटल प्रौद्योगिकी के बढ़ते उपयोग ने प्राथमिक शिक्षा की प्रकृति में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) और निपुण भारत मिशन के अंतर्गत DIKSHA पोर्टल को शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए एक प्रमुख डिजिटल मंच के रूप में विकसित किया गया है। यद्यपि इस विषय पर अनेक शोध उपलब्ध हैं, फिर भी उनके निष्कर्ष विभिन्न संदर्भो और परिस्थितियों में बिखरे हुए हैं। इन अध्ययनों का समेकित विश्लेषण यह समझने के लिए आवश्यक है कि DIKSHA पोर्टल प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षकों के व्यावसायिक विकास तथा विद्यार्थियों के अधिगम परिणामों को किस प्रकार प्रभावित करता है। इसके अतिरिक्त, डिजिटल विभाजन, इंटरनेट की उपलब्धता, डिजिटल साक्षरता तथा तकनीकी संसाधनों की कमी जैसी चुनौतियों का भी समय मूल्यांकन आवश्यक है। इसलिए यह व्यवस्थित साहित्य समीक्षा वर्तमान ज्ञान को एकीकृत करने तथा भविष्य के शोध और नीतिगत निर्णयों के लिए उपयोगी आधार प्रदान करेगी।

अध्ययन के उद्देश्य

- प्राथमिक शिक्षा में DIKSHA पोर्टल की भूमिका का अध्ययन करना।
- डिजिटल शिक्षण संसाधनों के उपयोग से शिक्षकों के शिक्षण अभ्यास में हुए परिवर्तनों का विश्लेषण करना।
- विद्यार्थियों के अधिगम पर DIKSHA के प्रभाव से संबंधित उपलब्ध शोधों का विश्लेषण करना।
- DIKSHA के प्रभावी उपयोग में आने वाली प्रमुख चुनौतियों की पहचान करना।
- भविष्य में डिजिटल शिक्षा को अधिक प्रभावी बनाने हेतु सुझाव प्रस्तुत करना।

शोध प्रश्न

प्राथमिक शिक्षा में DIKSHA पोर्टल की क्या भूमिका है?

DIKSHA पोर्टल शिक्षकों के व्यावसायिक विकास में किस प्रकार योगदान देता है?

डिजिटल शिक्षण संसाधनों का विद्यार्थियों के अधिगम परिणामों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

DIKSHA के प्रभावी उपयोग में प्रमुख बाधाएँ कौन–सी हैं?

डिजिटल शिक्षण को अधिक प्रभावशील बनाने के लिए किन सुधारों की आवश्यकता है?

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 1, August 2026
Impact Factor: 8.2

साहित्य समीक्षा

इस व्यवस्थति साहित्य समीक्षा में प्राथमिक शिक्षा, DIKSHA पोर्टल, डिजिटल शिक्षण संसाधनों, शिक्षक प्रशिक्षण तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से संबंधित प्रकाशित शोध–पत्रोंए सरकारी रिपोर्टो एवं आधिकारिक दस्तावेजों का विश्लेषण किया गया।

Murthy एवं Ramchand (2020) ने भारत में प्राथमिक शिक्षा पर उपलब्ध शोधों की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने बताया कि प्राथमिक शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, शिक्षक प्रशिक्षण, ICT का उपयोग तथा अधिगम परिणाम भविष्य के शोध के प्रमुख क्षेत्र हैं। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि नई शिक्षा नीति के संदर्भ में डिजिटल शिक्षा पर अधिक गहन अध्ययन की आवश्यकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में DIKSHA को उच्च गुणवत्ता वाले डिजिटल शिक्षण संसाधनों के राष्ट्रीय मंच के रूप में विकसित करने पर बल दिया गया है। नीति के अनुसार DIKSHA के माध्यम से शिक्षकों को प्रशिक्षण, विद्यार्थियों को डिजिटल सामग्री तथा राज्यों को बहुभाषी शिक्षण संसाधन उपलब्ध कराए जाने चाहिए।

CIET–NCERT के अनुसार DIKSHA केवल ई–सामग्री का भंडार नहीं है, बल्कि यह शिक्षकों के सतत व्यावसायिक विकास (Continuous Professional Development) का भी प्रमुख मंच है। इसमें ऑनलाइन प्रशिक्षण, डिजिटल पाठ्यसामग्री तथा मूल्यांकन संसाधन उपलब्ध कराए जाते हैं। हाल के समीक्षा अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म शिक्षक–केंद्रित शिक्षण से विद्यार्थी–केंद्रित अधिगम की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, इंटरनेट, उपकरणों की उपलब्धता तथा डिजिटल साक्षरता जैसी चुनौतियाँ इनके प्रभाव को सीमित करती हैं।

साहित्य समीक्षा से उभरते प्रमुख निष्कर्ष

DIKSHA ने शिक्षकों के डिजिटल कौशल और प्रशिक्षण में सकारात्मक योगदान दिया है।

डिजिटल सामग्री से विद्यार्थियों के अधिगम में सहायता मिलती है, विशेषकर स्व–अध्ययन में अधिक प्रभावी है।

ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों की कमी अभी भी एक बड़ी चुनौती है।

शिक्षक प्रशिक्षण की निरंतरता डिजिटल प्लेटफॉर्म की सफलता का महत्वपूर्ण आधार है।

भविष्य में AI अनुकूली अधिगम (Adaptive Learning) तथा बहुभाषी डिजिटल सामग्री पर अधिक प्रभावी है।

शोध अंतर

उपलब्ध साहित्य से यह स्पष्ट होता है कि DIKSHA पर अनेक अध्ययन उपलब्ध हैं, किन्तु प्राथमिक शिक्षा के संदर्भ में इनके निष्कर्षो का एक समग्र एवं व्यवस्थति विश्लेषण अभी भी सीमित है। विशेष रूप से NEP 2020 और NIPUN Bharat के बाद प्रकाशित अध्ययनों का एकीकृत विश्लेषण अपेक्षाकृत कम उपलब्ध है। इसलिए यह समीक्षा अध्ययन इस शोध अंतर को भरने का प्रयास करता है

अध्ययन की सीमाएँ

यह अध्ययन केवल उपलब्ध प्रकाशित साहित्य, सरकारी रिपोर्टों एवं नीति दस्तावेजों पर आधारित है।

अध्ययन में किसी प्रकार का प्राथमिक (Primary) डेटा संकलित नहीं किया गया।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 1, August 2026
Impact Factor: 8.2

समीक्षा मुख्यतः भारत, विशेषकर प्राथमिक शिक्षा में DIKSHA के उपयोग तक सीमित है।
केवल अंग्रेजी एवं हिंदी में उपलब्ध प्रमुख अध्ययनों को शामिल किया गया।

शोध पद्धति

यह अध्ययन Systematic Literature Review (SLR) पर आधारित है। अध्ययन में केवल विश्वसनीय एवं प्रकाशित स्रोतों का उपयोग किया जाएगा। साहित्य का चयन पूर्वनिर्धारित मानदंडों के आधार पर किया जाएगा।

डेटा स्रोत

Scopus सूचीबद्ध शोधपत्र
Web of Science
ERIC (Education Resources Information Center)
Google Scholar
Shodhganga
NCERT प्रकाशन
NCTE प्रकाशन
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
DIKSHA एवं NIPUN Bharat से संबंधित आधिकारिक दस्तावेज

विश्लेषण की प्रक्रिया

चयनित अध्ययनों का विषयवस्तु विश्लेषण (Content Analysis) एवं तुलनात्मक विश्लेषण (Comparative Analysis) किया जाएगा। प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर प्रमुख प्रवृत्तियाँ, चुनौतियों एवं भविष्य की संभावनाएँ प्रस्तुत की जाएँगी।

विश्लेषण एवं चर्चा

उपलब्ध शोधों, सरकारी दस्तावेजों तथा नीति–पत्रों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि DIKSHA प्लेटफॉर्म ने भारत में डिजिटल शिक्षा को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह मंच केवल डिजिटल सामग्री उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षक प्रशिक्षणए ई–मूल्यांकन, बहुभाषी शिक्षण सामग्री तथा व्यावसायिक विकास के लिए भी एक व्यापक मंच के रूप में विकसित हुआ है।

शिक्षकों के व्यावसायिक विकास पर प्रभाव

अध्ययनों से पता चलता है कि DIKSHA के माध्यम से शिक्षकों ने डिजिटल शिक्षण सामग्री का प्रभावी उपयोग करना सीखा तथा ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेकर अपनी शिक्षण दक्षताओं में सुधार किया। इससे पाठ योजना, मूल्यांकन तथा कक्षा शिक्षण की गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 6, Issue 1, August 2026 Impact Factor: 8.2

विद्यार्थियों के अधिगम पर प्रभाव

समीक्षित अध्ययनों से यह ज्ञात होता है कि DIKSHA के माध्यम से विद्यार्थियों को ई–पाठ्यपुस्तकें, वीडियो, प्रश्न बैंक, अभ्यास सामग्री तथा इंटरेक्टिव संसाधन उपलब्ध हुए। इससे स्व–अध्ययन, पुनरावृत्ति तथा सीखने की निरंतरता को बढ़ावा मिला, विशेषकर कोविड–19 अवधि में।

प्रमुख चुनौतियाँ

यद्यपि DIKSHA के अनेक सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं, फिर भी इसके प्रभावी उपयोग में कुछ प्रमुख बाधाएँ पाई गई–

ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी।

सभी विद्यार्थियों के पास स्मार्टफोन या डिजिटल उपकरणों का अभाव।

कुछ शिक्षकों में डिजिटल दक्षता की कमी।

विभिन्न राज्यों में डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता और उपयोग में असमानता।

निष्कर्ष

इस व्यवस्थति साहित्य समीक्षा से स्पष्ट होता है कि DIKSHA भारत की विद्यालयी शिक्षा व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण डिजिटल मंच बन चुका है। इसने शिक्षकों के व्यावसायिक विकास, विद्यार्थियों के अधिगम तथा डिजिटल शिक्षण संसाधनों की उपलब्धता को सुदृढ़ किया है। हालांकि, डिजिटल विभाजन, इंटरनेट सुविधा और तकनीकी संसाधनों की असमान उपलब्धता जैसी चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। यदि सरकार डिजिटल अवसंरचना को और सुदृढ़ करे, शिक्षकों को नियमित

प्रशिक्षण प्रदान करे तथा ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल पहुँच सुनिश्चित करे, तो DIKSHA प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में और अधिक प्रभावी योगदान दे सकता है।

सुझाव

सभी प्राथमिक विद्यालयों में उच्च गति की इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

शिक्षकों के लिए नियमित डिजिटल क्षमता–विकास प्रशिक्षण आयोजित किए जाएँ।

स्थानीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं में अधिक गुणवत्तापूर्ण डिजिटल सामग्री विकसित की जाए।

आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को डिजिटल उपकरण उपलब्ध कराने की योजनाओं का

विस्तार किया जाए।

DIKSHA प्लेटफॉर्म में AI आधारित व्यक्तिगत अधिगम (Personalized Learning) जैसी

सुविधाओं का चरणबद्ध विकास किया जाए।

भविष्य के शोध की संभावनाएँ

उत्तर प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों में DIKSHA के वास्तविक उपयोग पर अनुभवजन्य (Empirical) अध्ययन।

DIKSHA के उपयोग का विद्यार्थियों के अधिगम परिणामों पर सांख्यिकीय विश्लेषण।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 1, August 2026
Impact Factor: 8.2

सरकारी एवं निजी विद्यालयों में DIKSHA के उपयोग का तुलनात्मक अध्ययन।

AI आधारित डिजिटल शिक्षण संसाधनों की प्रभावशीलता का अध्ययन।

FLN मिशन और DIKSHA के संयुक्त प्रभाव का विश्लेषण।

References

1. Central Institute of Educational Technology. (2025). Digital Infrastructure
2. for Knowledge Sharing (DIKSHA): Online training. NCERT.
3. https://ciet.ncert.gov.in/activity/web_diksha
4. Department of School Education and Literacy. (2021). NIPUN Bharat:
5. National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and
6. Numeracy – Guidelines. Ministry of Education, Government of India.
7. Department of School Education and Literacy. (2021). NIPUN Bharat Mission. Ministry of Education, Government of India.
8. https://nipunbharat.education.gov.in/
9. Digital Infrastructure for Knowledge Sharing (DIKSHA). (2025). About DIKSHA.
10. https://diksha.gov.in/about-us/
11. Digital Infrastructure for Knowledge Sharing (DIKSHA). (2025). DIKSHA Portal.
12. https://diksha.gov.in/
13. Ministry of Education. (2020). National Education Policy 2020. Government of India.
14. https://www.education.gov.in/nep-2020-english.pdf
15. National Council of Educational Research and Training. (2025). NCERT Journals.
16. https://ncert.nic.in/
17. National Council of Educational Research and Training. (2025). Publications.
18. https://www.ncert.nic.in/list-publication.php